प्रो० कामेश्वर सिंह
राजनीति विभाग, B.A I (Sub)
Date- 17-06-2021
रोहतास महिला कॉलेज सासाराम

दबाव समूह के तकनीकों का प्रयोग :----

① अनुनय (Persuasion) :— किसी विषय पर मनोवांछित निर्णय लेने के लिए दबाव समूहों द्वारा अनुनय - विनय की नीति अपनाई जाती है। स्वास्थ्य छोटे - 2 व कम साधनों वाले समूह इस विधि का प्रयोग अधिक करते हैं।

② सौदेबाजी :— दबाव समूह द्वारा सरकारी निर्णय को प्रभावित करने का सबसे मजबूत साधन सौदेबाजी है। जो दबाव समूह आर्थिक रूप से अधिकशाली - शाली रहता है इस विधि को प्रयोग में लाता है। जैसे औद्योगिक संघ इस तकनीक को अपनाते हैं।

③ हड़ताल :— हड़ताल दबाव समूह की एक प्रमुख तकनीक माना जाता है। इस तकनीक द्वारा फैक्टरियों कार्यालयों, एवं औद्योगिक संस्थानों में ज्यादातर हड़ताल का सहारा लिया जाता है। हड़ताल के कारण कार्यालय बंद हो जाते हैं जिसके चलते सरकार को बाध्य होकर उनकी माँग को मानना पड़ता है।

④ बंद :— जब दबाव समूह अन्य तरीकों में सफल नहीं होता है तब वह देश की समस्त जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए बंद की तकनीक अपनाते हैं। बन्द के द्वारा फैक्टरी, कार्यालय, बाजार की दुकानें समेत बंद कर दिए जाते हैं। सड़कें रिक्शा, बसें तथा अन्य सवारियों को चलना बन्द हो जाता है। सारा जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह सब इसलिए किया जाता है कि

दबाव समूहों की जो मांगें हैं सम्पूर्ण जनता के द्वारा समर्थित हो रही है। जिससे बाध्य होकर सरकार को उनकी मांग को मानना पड़ता है।

(5) घेराव (Gherao) :— हिन्दुस्तान में घेराव नामक एक नई तकनीक दबाव समूह द्वारा अपनाई जाती है। इसके द्वारा निर्णय लेनेवाले पदाधिकारियों को उनके कार्यालय में बन्द रखकर घेरा बन्दी कर लिया जाता है। उनको उस स्थान से कहीं बाहर नहीं जाने दिया जाता है। अन्त में उनको बाध्य होकर मांगों को मान लेना पड़ता है। यह दबाव समूह का तकनीक अवैध मानी जाती है। लेकिन भारत वर्ष में इसका दुरुपयोग होता है जो ठीक बात नहीं है।

(6) लॉबी (Lobby) :— लॉबीइंग के अन्तर्गत दबाव समूहों द्वारा व्यवस्थापिका के सदस्यों को सदन से बाहर एक विशेष प्रकार के अधिनियम पारित करने अथवा नहीं करने के लिए प्रभावित किया जाता है तथा उपर दबाव डाला जाता है। व्यवस्थापिका भवन से सदन की बाहर एक विशेष कक्ष को लॉबी कहा जाता है, जहाँ विधायकों को प्रभावित करने का कार्य किया जाता है। इसके लिए विधायकों को रिश्वत, उपहार आदि दिया जाता है।

(7) प्रत्यक्ष कार्रवाई :— श्रमिकों, कर्मचारियों आदि के संघों द्वारा प्रत्यक्ष कार्रवाई के द्वारा निर्णय को प्रभावित किया जाता है।

अतः दबाव समूह के विभिन्न तकनीकों में लॉबीइंग, हड़ताल, बंद, घेराव आदि प्रमुख है।

Scanned with CamScanner